Yamunanagar

Soumis par david Wilgenbus le lun, 23/04/2012 - 15:09

Eratosthenes experiment in Yamunanagar for spring equinox

अगला विषुव 23 सितंबर को, अलाहर स्कूल में सीवी रमण क्लब के सदस्यों ने बच्चों को सिख

प्रयोग कर बच्चों ने जानी पृथ्वी की

अमर उजाला ब्यूरो

यमुनानगर। सीवी रमण विज्ञान क्लब यमुनानगर के सदस्यों और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलाहर के विद्यार्थियों ने बसंत विषुव के अवसर पर पृथ्वी की परिधि ज्ञात करने का प्रयोग किया। बच्चों ने क्लब के बाल सचिव (ग्रामीण) कपिल राणा के नेतृत्व में अपनी 20 सदस्यों की टीम के साथ अलाहर स्कूल के प्रांगण मे पृथ्वी की परिधि ज्ञात की।

क्लब के सचिव और अलाहर स्कूल के अध्यापक दर्शन लाल ने बताया कि महा बसंत विषुव एक भौगोलिक समय बिंदू है। साल के शुरू होते समय जनवरी माह में सूरज दक्षिणी गोलार्द्ध में होता है और वहां से उत्तरी गोलार्द्ध में जाता है। साल के समाप्त होने दिसंबर माह तक सूरज उत्तरी गोलार्द्ध से होकर पुनः दक्षिणी गोलार्द्ध में पहुंच जाता है। इस तरह से सूरज साल में दो बार भू-मध्य रेखा के ऊपर से गुजरता है। इस समय को विषुव कहते हैं।

अलाहर स्कूल में विद्यार्थी पृथ्वी की परिधि नापते हुए।

यह इसलिए कि तब दिन
रात बराबर होते हैं। यह सैद्धां
तौर पर है, वास्तविकता में न
इस वर्ष 2012 में यह स
लगभग 20 मार्च था और अ
विषुव 23 सितंबर को है। जब
मार्च में आता है तो हम उ
गोलार्द्ध में रहने वाले इसे
बसंत विषुव कहते हैं।
सितंबर में आता है तो इसे
शरद विषुव कहते हैं। यह उ
गोलार्द्ध में इन ऋतुओं के आने
सूचना देता है। यह स्थिति पृ
की परिधि ज्ञात करने की स
बेहतर स्थिति होती है। आज
दिन सूर्य बिल्कुल भूमध्य रेख
होता है। यदि ऐसी स्थिति में दू
शहर जो भूमध्य रेखा पर स्थित
वहां पर भी कोई दूसरी टीम

Commentaires
Aucun commentaire